

प्रेषक,

डॉ० उमाकांत पंवार,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तराखण्ड।

गृह अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक: 21 दिसम्बर, 2016

विषय:- "महाराणा प्रताप वीरता पुरस्कार" संस्थित किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया मा० मुख्यमंत्री जी द्वारा दिनांक 12 मई, 2015 को जनपद देहरादून में की गयी घोषणा संख्या 1215/2015 चयनित सामान्य नागरिकों को उनके अदम्य साहस एवं पराकमी कार्य हेतु पुरस्कृत करने के लिए "महाराणा प्रताप वीरता पुरस्कार" संस्थित किया जायेगा, सम्बन्धी घोषणा पर सम्यक् विचारोपरान्त मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रत्येक वर्ष की 01 जुलाई से आगामी वर्ष के 30 जून तक अदम्य साहस एवं पराकमी कार्य करने वाले सामान्य नागरिकों को प्रत्येक वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर "महाराणा प्रताप वीरता पुरस्कार" धन राशि रु० 1.00 लाख (एक लाख मात्र) दिया जायेगा।

2- इस वित्तीय वर्ष 2016-17 में महाराणा प्रताप वीरता पुरस्कार निर्गत किये जाने की कार्यवाही गृह विभाग, उत्तराखण्ड शासन से की जायेगी तथा अगले वित्तीय वर्ष 2017-18 से सामान्य नागरिकों को उक्त पुरस्कार प्रदान किये जाने की कार्यवाही सामान्य प्रशासन विभाग, उत्तराखण्ड शासन द्वारा की जायेगी।

3- "महाराणा प्रताप वीरता पुरस्कार" में स्मृति चिन्ह के साथ दी जाने वाली धनराशि रुपये एक लाख होगी।

4- उक्त पुरस्कार के चयन हेतु निम्नलिखित मानक निर्धारित किये जाते हैं:-

1- अदम्य साहस एवं पराकमी कार्य करने वाले सामान्य नागरिकों को पुरस्कृत करने के लिए "महाराणा प्रताप वीरता पुरस्कार" की संस्तुति/चयन जिला अधिकारी, उत्तराखण्ड के प्रस्ताव पर किया जा सकेगा, तदोपरान्त प्रस्ताव पर शासन का अनुमोदन प्राप्त किया जाना अनिवार्य होगा। इस परिप्रेक्ष्य में चयनित प्रकरण को शासन के अनुमोदन हेतु जिला अधिकारी के स्तर से प्रत्येक वर्ष की 15 जुलाई तक प्रस्ताव शासन का संदर्भित किया जायेगा।

2- शासन स्तर पर जिलाधिकारियों द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावों के सम्बन्ध में विचारण/पुरस्कार प्रदान करने के सम्बन्ध में अन्तिम निर्णय लिए जाने हेतु मुख्य सचिव महोदय की अध्यक्षता में एक समिति गठित होगी, जिसमें प्रमुख सचिव/सचिव, गृह एवं सचिव सामान्य प्रशासन सदस्य सचिव होंगे।

8/

- 3- इस वर्ष के लिए उक्त समिति के सदस्य सचिव, प्रमुख सचिव/सचिव, गृह तथा आगामी वर्ष से समिति के सदस्य सचिव, सचिव सामान्य प्रशासन होंगे।
- 4- अदम्य साहस एवं पराक्रमी कार्य की कोटी में वे सामान्य नागरिक आयेगे, जिन्होंने डूबने, दुर्घटना के मामलों, आग लगने की घटनाओं, भू-स्खलन होने, पशुओं के हमलों में बचाव-कार्य आदि घटनाओं में किसी व्यक्ति की जान बचाने के लिए किए गये मानवीय प्रकृति के लिए सराहनीय कार्य किया हो।
- 5- समिति द्वारा यदि एक से अधिक नामों की संस्तुति की जाती है तो पुरस्कार राशि समस्त चयनित व्यक्तियों में बराबर-बराबर वितरित की जाएगी।
- 6- एक वर्ष विशेष (01 जुलाई से 30 जून) में जिला अधिकारियों से प्राप्त संस्तुतियों/प्रस्तावों पर समिति द्वारा विचार करने के उपरान्त उन्हें आगामी वर्ष की बैठक में विचारार्थ प्रस्तुत नहीं किया जाएगा।
- 7- अदम्य साहस एवं पराक्रमी कार्य के प्रदर्शन के लिए "महाराणा प्रताप वीरता पुरस्कार" की संस्तुति के उपरान्त उसी कार्य के लिए संबंधित व्यक्ति को साहस तथा सराहनीय कार्य हेतु अन्य पुरस्कारों की संस्तुति नहीं की जायेगी तथा जिस कार्य के लिए पूर्व में ही पुरस्कार दिये जा चुके हो, उस कार्य के लिए "महाराणा प्रताप वीरता पुरस्कार" की संस्तुति नहीं की जायेगी।
- 8- उत्तराखण्ड राज्य के सभी क्षेत्रों की महिला एवं पुरुष इन पुरस्कारों के लिए पात्र होंगे।
- 5- "महाराणा प्रताप वीरता पुरस्कार" पर आने वाला व्यय-भार वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-10 के अंतर्गत लेखाशीर्षक-2055-109-03-जिला पुलिस, की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के मानक मद- 42-अन्य व्यय, के नाम डाला जायेगा।
- 6- उक्त आदेश वित्त विभाग के आ0शा0 संख्या: 158NP/XXVII(S)16-17 दिनांक 11.11.2016 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किया जा रहा है।

भवदीय

(डॉ० उमाकांत पंवार)
प्रमुख सचिव

संख्या:-/606(1)/XX-1/16-36(यू.ओ.)2015 एवं तददिनांक।

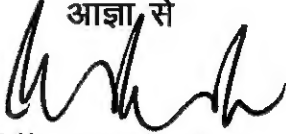
प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
2. सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
3. अपर सचिव, मा0 मुख्यमंत्री घोषणा अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
5. निदेशक, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, देहरादून।
6. निदेशक, कोषागार, पेंशन एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. निजी सचिव-मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन को मा0 मुख्यमंत्री जी के अवलोकनार्थ।



8. अनु सचिव, मा0 मुख्यमंत्री कार्यालय अनुभाग-04 (घोषणा अनुभाग) को इस आशय के साथ कि उक्तानुसार मा0 मुख्यमंत्री की की घोषणा संख्या: 1215/2015 की पूर्ति के परिप्रेक्ष्य में शासनादेश निर्गत कर दिया गया है। अतः इस घोषणा को लम्बित मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणाओं की सूची से विलुप्त करने का कष्ट करें।

1- एन० आर० पी०, सचिवालय पत्रिका, 12/12/15

आज्ञा से

(डॉ० उमाकांत पंवार)
प्रमुख सचिव